28/11

पीठासीन अधिकारी राजकार्य में व्यस्त हैं। अतः पत्रावली दिनांक 10.12.25 को पेश हो।

10/12

पत्रावली पेश हुई लेकिन पक्ष व्यवस्था उपस्थित पत्रावलियां अधिक होने की वजह से प्रकरण में सुनवाई नहीं हो सकी। अत: पत्रावली दिनांक 12.1.26 को पेश हो

19/12/25

पत्रावली पेश है वकील पक्षकार उप० है। वादीगण द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया व निवेदन किया कि वादीगण व प्रतिवादीगण का आपस में राजीनामा हो गया है इस कारण वाद को आगे नहीं चलाना चाहते है अत: वाद विड्रो के आधार पर खारिज फरमाया जावे।

प्रार्थना पत्र का अवलोकन किया गया। प्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार किये जाने योग्य है। अत: वादीगण का प्रा.पत्र स्वीकार किया जाकर वाद विड्रो के आधार पर खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम की जाकर दाखिल रिकार्ड हो।

निर्णय आज दिनांक 19/12/25 को सुनाया गया।